HINDI

(*Three hours*)

*(Candidates are allowed additional 15 minutes for **only** reading the paper.*

They must NOT start writing during this time.)

---

*Answer questions **1, 2** and **3** in Section **A** and **four** other questions from Section **B** on at least **three** of the prescribed textbooks.*

*If you answer **two** questions on any **one** book, do not base them both on the **same** material.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A

1. **Write a composition in HINDI in approximately 400 words on any ONE of the topics given below :—** [20]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **400** शब्दों में **हिन्दी** में निबन्ध लिखिये :—

(a) नारी : माँ, बहन, पत्नी तथा बेटी हर रूप में आदरणीय है। — विवेचन कीजिए।

(b) जीवन में सुख समृद्धि पाने के लिए हर व्यक्ति अपने लिए किसी व्यवसाय को चुनना चाहता है। आप अपने लिए किस व्यवसाय को चुनना पसंद करेंगे। उसकी प्राप्ति के लिए आप क्या क्या प्रत्यन करेंगे तथा उससे देश व समाज को क्या लाभ होगा।

(c) "मानव की अतिमहत्वाकांक्षा ने ही प्रदूषण जैसी विकराल समस्या को जन्म दिया है।'' इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट करें।

(d) आज के युग में टूटते परिवार।

(e) किसी ऐसे चलचित्र का वर्णन कीजिए जिसे आपने अपने परिवार के साथ देखा। उस चलचित्र के निर्देशन, संगीत निर्देशन, कहानी तथा कहानी से मिलने वाली शिक्षा का वर्णन करते हुए बताएं कि वह चलचित्र आपको किस कारण से बहुत अच्छा लगा।

(f) निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर मौलिक कहानी लिखिए :—

(i) कहानी का अन्तिम वाक्य होगा ....

.... "पिताजी के मार्गदर्शन से ही आज मैं इस योग्य बना हूँ।''

(ii) कहानी की शुरुआत नीचे लिखे वाक्य से कीजिए :

"एक दिन मेरा पड़ोसी'' ....

This Paper consists of 4 printed pages.

© *Copyright reserved.*

2. Read the following passage and briefly answer the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर, अन्त में दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :—

पहला सुख निरोगी काया अर्थात् सबसे बड़ा सुख स्वस्थ शरीर है। अस्वस्थ व्यक्ति न अपना भला कर सकता है, न घर का, न समाज का और न ही देश का।

प्राचीन काल से ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्यायाम के महत्त्व को पहचाना गया है। बड़े-बड़े मनीषियों ने व्यायाम को उत्तम स्वास्थ्य का आधार बताया है।

धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इन चारों का मूल आधार स्वास्थ्य है। जहाँ तक इस सफलता की बात करें तो मानव-जीवन की सफलता भी इसी सूत्र में छिपी है।

बुद्धिमत्तापूर्ण कार्य तथा सफलता के लिए परिश्रम भी स्वस्थ शरीर से ही संभव होता है। अत: स्वस्थ मस्तिष्क तथा स्वस्थ बुद्धि के लिए हमें शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए।

स्वास्थ्य और सफलता का गहरा नाता है। सफलता के लिए व्यक्ति को परिश्रम करना आवश्यक है और अस्वस्थ व्यक्ति परिश्रम नहीं कर सकता। स्वस्थ मस्तिष्क से ही मनुष्य में सोचने-विचारने की शक्ति आती है, वह अपना हानि-लाभ सोच सकता है। जिस देश के व्यक्ति कमज़ोर व अस्वस्थ होंगे वह देश कभी उन्नत नहीं हो सकता। एक विद्यार्थी तभी श्रेष्ठ विद्यार्थी होगा जब वह स्वस्थ होगा। चाहे विद्यार्थी हो या अध्यापक, व्यापारी हो या वकील, कर्मचारी हो या शासक, नौकर हो या स्वामी, प्रत्येक को अपने कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वस्थ होना आवश्यक है।

इस स्वास्थ्य की रक्षा के लिए मनीषियों ने, वैद्यों-डॉक्टरों ने तथा योगी महात्माओं ने अनेक साधन बताए हैं — जिसमें शुद्ध वायु, प्रात: भ्रमण, संयमित जीवन, सच्चरित्रता, निश्चिन्तता, सन्तुलित भोजन, गहरी नींद तथा व्यायाम प्रमुख है। इनमें भी व्यायाम ही उत्तम स्वास्थ्य की मूल जड़ है। आलस्य रूपी महारिपु से छुटकारा पाने के लिए भी व्यायाम को अपनाना आवश्यक है। व्यायाम व्यक्ति को चुस्त-दुरुस्त रखता है। व्यायाम शारीरिक व बौद्धिक दो प्रकार का होता है। शारीरिक व्यायाम के लिए दण्ड-बैठक, खुली हवा में दौड़ लगाना, तैरना, घुड़सवारी करना, कुश्ती लड़ना तथा विभिन्न प्रकार के खेल, जैसे — हाकी, कबड्डी, रस्साकसी, बैडमिण्टन आदि खेले जा सकते हैं। बौद्धिक व्यायाम के अन्तर्गत शब्द पहेलियाँ, बुद्धि-परीक्षण के प्रश्न तथा शतरंज आदि खेल आते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के कारण ही आज व्यक्ति फिर योग की ओर मुड़ रहे हैं। योगासनों का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इन योगासनों के द्वारा शरीर की माँसपेशियाँ पुष्ट होती हैं। साथ ही मनुष्य को एकाग्रचित्तता की शक्ति प्राप्त होती है। व्यायाम करने व योगासनों से मनुष्य जल्दी बूढ़ा नहीं होता। उसकी पाचन क्रिया ठीक रहती है, रक्त-संचार नियमित होता है जिससे मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। मनुष्य में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता जैसे गुणों का समावेश होता है जो मनुष्य की सफलता की कुंजी है।

जो सुखों का उपभोग करना चाहता है तथा जीवन में सफलता रूपी कुंजी पाना चाहता है उसे स्वास्थ्य के नियमों का पालन करना चाहिए।

प्रश्न :—

(a) 'पहला सुख निरोगी काया' से आप क्या समझते हैं ? स्वास्थ्य नियमों का पालन करने से क्या लाभ होता है ? [4]

(b) स्वास्थ्य और सफलता का आपस में गहरा नाता किस प्रकार है ? [4]

(c) स्वास्थ्य रक्षा के लिए किसने और क्या साधन बताए ? [4]

(d) शारीरिक व बौद्धिक व्यायाम से आप क्या समझते हैं ? ये किस प्रकार किये जाते हैं ? [4]

(e) योग साधनों का महत्त्व क्यों बढ़ रहा है तथा इस योग साधना के क्या लाभ हैं ? [4]

3. (a) **Correct the following sentences :—** [5]

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :—

(i) जो काम करो वह पूरा जरूर करो।

(ii) पिता का पुत्र में विश्वास है।

(iii) उसे मृत्युदण्ड की सजा मिली है।

(iv) वह गुणवान महिला है।

(v) सभी कार्यालय में उपस्थिति कम है।

(b) **Use the following idioms in sentences of your own to illustrate their meaning :—** [5]

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए वाक्यों में प्रयोग कीजिए :—

(i) फूला न समाना।

(ii) कान भरना।

(iii) पानी में आग लगाना।

(iv) श्री गणेश करना।

(v) लोहे के चने चबाना।

SECTION B

काव्य-तरंग

4. सूरदास ने विभिन्न रूपों में अपने आराध्य के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। 'विनय और भक्ति' के आधार पर सूरदास की भक्ति का परिचय उदाहरण सहित दीजिए। [12½]

5. "रहीम दास जी दैनिक जीवन से उदाहरण लेकर नीति की गूढ़ बात को आसानी से समझा देते हैं।'' — इस आधार पर रहीम के दोहों की विशेषता बताते हुए उनकी काव्य शैली पर प्रकाश डालिए। [12½]

6. "कर्त्तव्यों और उत्तरदायित्वों को निभाने वाला व्यक्ति श्रेष्ठ होता है तथा ऐसा ही व्यक्ति ईश्वर को प्रिय भी होता है।'' निराला जी द्वारा रचित 'प्रियतम' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए। [12½]

निर्मला

7. निर्मला उपन्यास का उद्देश्य समाज में फैली बहुत सी समस्याओं को उजागर करना है। स्पष्ट कीजिए। [12½]

8. सियाराम साधु की बातों से क्यों और कैसे प्रभावित हो गया ? दोनों की भेंट का वर्णन कीजिए। [12½]

9. निर्मला उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए अपने उत्तर की सतर्क पुष्टि कीजिए। [12½]

कथा-सुरभि

10. "सम्मान रक्षा के लिए आतिथ्य भोज के स्थान पर अपने बड़ों का सम्मान करना अधिक बेहतर है।" कथन को सिद्ध करते हुए 'बूढ़ी काकी' कहानी का उद्देश्य लिखिए। [12½]

11. "चिकित्सा शास्त्र के इतिहास में ऐसा रोग अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राजरोग को कोई साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।" कहानी में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। [12½]

12. 'कर्मनाशा की हार' कहानी के आधार पर पांडे जी का चरित्र-चित्रण करते हुए स्पष्ट कीजिए कि उनका जीवन आदर्श सिद्धांतों की नींव पर खड़ा था। [12½]

ज्वालामुखी के फूल

13. नन्द वंश के विनाश के लिए चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को ही क्यों चुना ? चन्द्रगुप्त की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से लिखिए। [12½]

14. "साँझ को मौका देखकर चन्द्रगुप्त चुपचाप बाहर निकल पड़ा। इधर उधर देखता, बड़ी सावधानी से वह सामन्त देवदत्त के यहाँ पहुँचा।"

    चन्द्रगुप्त इस समय कहाँ पर है ? वह सामन्त देवदत्त के यहाँ क्यों गया है ? क्या उसे अपने उद्देश्य में सफलता मिली ? [12½]

15. "अतिथि की इच्छा पूरी करने के लिए मुझे सबसे आगे रहना पड़ेगा।" अतिथि कौन है, चन्द्रगुप्त ने उसकी इच्छा किस तरह से पूरी की थी ? समझाकर लिखिए। [12½]